Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 15-05-2006

Participants : Singh Shri Ganesh

>

Title : Need to minimize inordinate delays in running of trains and providing relief to the passengers from paying indirect surcharges.

श्री गणेश सिंह (सतना) : देश के अन्दर सभी जगहों पर यात्री गाड़ियां अनिश्चितकालीन विलम्ब से चलने की आदी हो चुकी हैं। हालात यह हो गए हैं कि जब गाड़ी अपने जोन से दूसरे जाने में प्रवेश करती है तो उसको जान-बूझकर लेट करने का एक नया प्रचलन चल पड़ा है। ऐसा लगने लगा है कि रेलवे में भी भयंकर क्षेत्रीय भेदभाव बढ़ता जा रहा है उसे यदि रोका नहीं गया तो रेलवे की एकता को गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाएगा।

रेल मंत्री जी ने कहा था कि हम यात्रियों को सुविधा, बिना किराया बढाये देंगे। वर्तमान में ऐसी व्यवस्था शुरू हो गयी है कि यात्री की यात्रा महंगी हो गयी है। यदि उसे अपने गंतव्य तक पहुंचने में गाड़ियां बदलनी पड़ेगी तो उसे सीधे टिकट नहीं मिलेगी, उन्हें दो बार टिकट लेनी होगी और उसका अधिभार दोनों बार देना पड़ेगा। पहले अत्यधिक दूरी का जो लाभ मिलता था, वह बंद कर दिया गया है। इसी तरह देश की लगभग 200 गाड़ियों को सुपरफास्ट घोाति किया गया है, जिससे किराया सुपरफास्ट का देना पड़ेगा। यह अलग बात है कि सुपरफास्ट अनिश्चितकालीन देरी से चल रही है। गाड़ी के अंदर पानी नहीं है, सीटें टूटी हैं, कोई सुविधा तथा सुरक्षा नहीं है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि यात्रियों को अधिभार से बचाया जाए। अधिक दूरी की यात्रा का लाभ यात्रियों को पहले जैसा दिया जाए, साथ ही गाड़ियों को सही समय पर चलाया जाए।